HIN3A13a

(Expression orale)

Cours-12

Discuter du phénomène du tourisme médical – quels en sont les enjeux ?

सवाल स्वास्थ्य का, तैयारी पर्यटन की रेणु अगाल - बीबीसी

भारत सरकार का मानना है कि विदेशों से लोगों को भारत आकर इलाज-m traitement करवाने के लिए प्रोत्साहित encourager किया जाना चाहिए.

इससे देश की स्वास्थ्य सुविधाएँ बेहतर होंगी और देश 'मेडिकल टूरिज़्म' यानी स्वास्थ्य के लिए पर्यटन से वर्ष 2012 तक 200 करोड़ रुपए कमा सकता है.

भारत सरकार का यह विचार तो अच्छा है पर इसके साथ ही एक और सच्चाई भी जुड़ी हुई है और वो है देश भर में अस्पतालों की लचर mauvais état स्थिति...

जन स्वास्थ्य अभियान-m campagne के डॉक्टर अमित सेन गुप्ता कहते हैं, "भारत में सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को कभी प्राथमिकता दी ही नहीं. विश्व की सबसे निजीकृत privatisé स्वास्थ्य सेवाओं में से एक हमारी है. देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में 85 फ़ीसदी खर्च निजी क्षेत्र में होता है जबकि सरकारी खर्च केवल 15 फ़ीसदी है."

सपनों का स्वास्थ्य - अब चाहे वो पर्यटन मंत्री हों या स्वास्थ्य मंत्री, भारतीय उद्योग महासंघ हो या इंडियन हेल्थ केयर फ़ेडरेशन, सभी बात कर रहे हैं मेडिकल टूरिज़्म की.

मशहूर célèbre हृदय रोग विशेषज्ञ-m spécialiste des maladies du cœur और दिल्ली स्थित एस्कॉर्ट अस्पताल के कर्ताधर्ता-m responsable नरेश त्रेहन इस बारे में बताते हैं, "भारत में दुनिया के सबसे अच्छे अस्पताल हैं. अमरीका जैसे देशों में जिन लोगों के पास चिकित्सा बीमा-m assurance médicale नहीं हैं वो अपना इलाज करवाने भारत आते हैं क्योंकि यहाँ बहुत सस्ते में और बहुत अच्छे में इलाज हो जाता है."...

यानी अच्छी विश्वस्तरीय du niveau mondial सुविधा, दुनिया के सबसे अच्छे डॉक्टर, अच्छे अस्पताल और अंतरराष्ट्रीय मानकों-m barème/standard पर खरी उतरने वाली स्वास्थ्य सेवाएं पेश करके भारत थाइलैंड की तरह बहुत बड़ी संख्या में विदेशी बीमारों को न्यौता-m invitation देना चाहता है.

यह एक खुला निमंत्रण है कि यहाँ के पाँच सितारा अस्पतालों में आइए और अपने देश की तुलना में कहीं कम दामों में स्वस्थ होकर लौट जाइए.

पर क्या यह वही भारत है जहाँ ज़िलों, गाँवों और क़स्बों के अस्पतालों की हालत इतनी जर्जर délabré है कि हर तरह के छोटे-बड़े इलाज के लिए मरीज़ों को दिल्ली स्थित आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स पहुँचते हैं.

बहस - एम्स में गैस्ट्रो इंट्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ अनूप सराया इसे विकासशील देशों की विडंबना-m ironie बताते हैं और कहते हैं कि सरकार आम आदमी के बारे में नहीं, वीआईपी मरीज़ों patients के बारे में सोचती है.

वे कहते हैं, "यह एक अजीब बात है कि बड़े निजी अस्पतालों को सरकार की ओर से मुफ़्त gratuit ज़मीन और कम सीमा शुल्क-m taxe, tarif देकर उपकरण-m équipement आयात-m importation करने की सुविधा सरकार से मिलती है. इसके बदले में इन्हें ग़रीबों का मुफ़्त इलाज करना होता है पर ऐसा हो नहीं रहा. सारी व्यवस्था का लाभ बड़े पूंजीपतियों-m capitaliste को हो रहा है, आम आदमी को नहीं."

पर मेडिकल टूरिज़्म के पैरोकार-m défenseur, avocat डॉक्टर त्रेहन का मानना है कि मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा-m encouragement देने के प्रयास को आम आदमी की स्वास्थ्य सेवाओं को नज़रअंदाज़ négliger किए जाने के रूप में देखना ग़लत होगा.

उनका कहना है कि वैश्वीकरण के दौर में स्वास्थ्य सेवाएँ देश के नागरिकों-m citoyen तक ही सीमित limité नहीं रह सकतीं.

नरेश त्रेहन कहते हैं, "मेडिकल टूरिज़्म आम भारतीयों की कीमत पर नहीं हो रहा है बल्कि इससे स्वास्थ्य सेवाएँ अंतरराष्ट्रीय स्तर-m niveau की बनेंगी जिसका लाभ भारतीय नागरिक भी उठा पाएँगे. हालाँकि इसमें खर्च ज़्यादा आता है इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में अमरीका की तरह बीमा-m assurance योजना के बारे में सरकार को सोचना चाहिए."

डॉक्टर त्रेहन का मानना है कि स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र-m domaine को व्यापक compréhensif बनाए जाने से ग़रीब आदमी भी अच्छी स्वास्थ्य सेवा का लाभ-m bénéfice, bienfait उठा पाएगा, जैसा कि अमरीका में होता है.

चिंता ... फिलहाल सरकार से सस्ती ज़मीन, मेडिकल उपकरण का सस्ता आयात, सरकार की ओर से प्रशिक्षित डॉक्टरों, नर्सों और तकनीक विशेषज्ञों को अपनी और खींच कर निजी क्षेत्र ख़ूब फल-फूल रहा है devient prospère.

वहीं दूसरी ओर सरकारी अस्पताल में कार्यरत employé डॉक्टर वहाँ की ज़मीनी सच्चाई से जूझ रहे हैं.